



भारत का राजपत्र The Gazette of India

असाधारण
EXTRAORDINARY

भाग II—खण्ड 3—उप-खण्ड (i)
PART II—Section 3—Sub-section (i)

प्राधिकार से प्रकाशित
PUBLISHED BY AUTHORITY

सं० 428]

नई दिल्ली, बुधवार, अगस्त 19, 1987/श्रावण 28, 1989

No. 428]

NEW DELHI, WEDNESDAY, AUGUST 19, 1987/SRAVANA 28, 1989

इस भाग में भिन्न बृष्ट संख्या दी जाती है जिससे कि यह अलग संकलन के रूप में
रखा जा सके

Separate Paging is given to this Part in order that it may be filed as
a separate compilation

खाद्य और नागरिक पुर्ति संस्त्रानय

(खाद्य विभाग)

नई दिल्ली 19 अगस्त, 1987

अधिसूचना

का. का. नि. 721 (अ) :—धान कुटाई उद्योग (बिनियमन और अनुज्ञापन) नियम, 1959 का और संशोधन करने के लिए कनिष्ठ नियमों का एक प्रारूप, धान कुटाई उद्योग (बिनियमन) अधिनियम, 1958 (1958 का 21) की धारा 22 की उपधारा (1) की अपेक्षा-नुसार, भारत सरकार के खाद्य और नागरिक पुर्ति संस्त्रानय (खाद्य विभाग) की अधिसूचना स. या. का. नि. 237, तारीख 4 अप्रैल, 1987 के अधीन, भारत सरकार के राजपत्र भाग 2, खंड 3, उपखंड (i), तारीख 4 अप्रैल, 1987 में प्रकाशित किया गया है जिसमें उन व्यक्तियों से, उस राजपत्र की, जिसमें उक्त अधिसूचना प्रकाशित हुई थी, प्रतियां जनता को उपलब्ध कराने के ऐतानीय दिन की अवधि के अनन्तर के पूर्व आक्षेप या गुत्राव मागे गए थे, जिनके उसमें प्रभावित होने की संभावना थी;

और उक्त राजपत्र 8 अप्रैल, 1987 को जनता को उपलब्ध करा दिया गया था;

और केन्द्रीय सरकार ने उक्त प्रारूप के संबंध में जनता से प्राप्त आक्षेपी और सुझावों पर विचार कर लिया है।

अतः अध. केन्द्रीय सरकार, उक्त अधिनियम की धारा 22 द्वारा प्रदत्त शक्तियों का प्रयोग करते हुए, धान कुटाई उद्योग (बिनियमन और अनुज्ञापन) नियम, 1959 का और संशोधन करने के लिए निम्न-लिखित नियम बनाती है, अर्थात् :—

1. (1) इन नियमों का संक्षिप्त नाम धान कुटाई उद्योग (बिनियमन और अनुज्ञापन) (संशोधन) नियम, 1987 है।

(2) ये राजपत्र में प्रकाशन की तारीख को प्रवृत्त होंगे।

2 धान कुटाई उद्योग (बिनियमन और अनुज्ञापन) नियम, 1959 की अनुसूची के प्रकरण 4 के खंड 3 की शर्त (3अ) में :—

(1) पहले परल्लुका में, "प्याहद बर्ष और तीन मास" शब्दों के स्थान पर "नेरह बर्ष और तीन मास" शब्द रखे जाएंगे।

(2) दूसरे परल्लुका में, "31 जुलाई, 1988" शब्द और अंकों के स्थान पर "31 जुलाई, 1988" शब्द और अंक रखे जाएंगे।

[का. सं. 15 (6)/88-डी. एं. आर. (आई.)]

के. एम. साहनी, संयुक्त सचिव

संश्लेषिकारः ज्ञापन

खाद्य और नागरिक पूर्ति मंत्रालय के खाद्य विभाग से सभी राज्य सरकारों से परामर्श करने की अपेक्षा की गई है और धान कुटाई उद्योग (विनियमन और अनुज्ञापन) नियम, 1959 के संशोधनों के पूर्ण प्रकाशन की भी अपेक्षा की गई है। फरवरी, 1987 के पहले सप्ताह में राज्य सरकारों को समय-समय के और बढ़ाने के केन्द्रीय सरकार के आग्रह की सूचना दी गई थी। राज्य सरकारों के साथ औपचारिक विचार-विमर्श में काफी समय लगा, इसलिए 2(i) और 2(ii) पर के संशोधनों को भूतलक्षी रूप से प्रभावी किया जा रहा है। यह प्रमाणित किया जाता है कि भूतलक्षी रूप से प्रभावी करने से किसी व्यक्ति के हित पर प्रतिकूल प्रभाव नहीं पड़ेगा।

बाद टिप्पण :- धान कुटाई उद्योग (विनियमन और अनुज्ञापन) नियम, 1959 भारत सरकार के भूतपूर्व खाद्य और कृषि मंत्रालय (खाद्य विभाग) की अधिसूचना सं. सा. का. नि. 510 तारीख 22 अप्रैल, 1959 के अधीन प्रकाशित किए गए थे। यह नियम निम्न-लिखित अधिसूचना संख्या द्वारा समय-समय पर संशोधित किए गए हैं :-

- (1) सा. का. नि. 1129 तारीख 12-10-59
- (2) सा. का. नि. 694 तारीख 16-6-60
- (3) सा. का. नि. 1028 तारीख 29-8-60
- (4) सा. का. नि. 93 तारीख 15-1-62
- (5) सा. का. नि. 1369 तारीख 6-8-63
- (6) सा. का. नि. 133 तारीख 18-1-63
- (7) सा. का. नि. 1143 तारीख 2-8-65
- (8) सा. का. नि. 85 तारीख 7-1-66
- (9) सा. का. नि. 259 तारीख 11-2-66
- (10) सा. का. नि. 553 तारीख 24-3-70
- (11) सा. का. नि. 105 तारीख 18-1-71
- (12) सा. का. नि. 490 (अ) तारीख 29-7-76
- (13) सा. का. नि. 284 तारीख 18-2-77
- (14) सा. का. नि. 408 तारीख 16-3-78
- (15) सा. का. नि. 80 (प्र) तारीख 23-2-79
- (16) सा. का. नि. 752 (प्र) तारीख 31-12-80
- (17) सा. का. नि. 180 (प्र) तारीख 16-3-81
- (18) सा. का. नि. 490 (प्र) तारीख 8-7-82
- (19) सा. का. नि. 635 (प्र) तारीख 5-8-85
- (20) सा. का. नि. 1144 तारीख 14-12-85
- (21) सा. का. नि. 611 (प्र) तारीख 8-4-86

MINISTRY OF FOOD AND CIVIL SUPPLIES

(Department of Food)

New Delhi, the 19th August, 1987

NOTIFICATION

G.S.R. 721(E).—Whereas the drafts of certain rules further to amend the Rice Milling Industry (Regulation and Licensing) Rules, 1959, was published as required by sub-section (1) of section 22 of the

Rice Milling Industry (Regulation) Act, 1958 (21 of 1958) in the Gazette of India, Part II, Section 3, sub-section (i) dated the 4th April, 1987, under the notification of the Government of India in the Ministry of Food & Civil Supplies (Department of Food) No. G.S.R. 237 dated the 4th April, 1987, inviting objections or suggestions from all persons likely to be affected thereby before the expiry of a period of forty-five days from the date on which the copies of the Official Gazette in which the said notification was published were made available to the public;

And whereas the said Gazette was made available to the public on the 8th April, 1987;

And whereas the objections and suggestions received from the public on the said draft have been considered by the Central Government;

Now, therefore, in exercise of the powers conferred by section 22 of the said Act, the Central Government hereby makes the following rules further to amend the Rice Milling Industry (Regulation and Licensing) Rules, 1959, namely :—

1. (1) These rules may be called the Rice Milling Industry (Regulation and Licensing) (Amendment) Rules, 1987.

(2) They shall come into force on the date of their publication in the official Gazette.

2. In the Rice Milling Industry (Regulation and Licensing) Rules, 1959, in the Schedule, in Form IV, in clause 3 in condition (3D).—

(i) in the first proviso, for the words "eleven years and three months" the words "thirteen years and three months" shall be substituted;

(ii) in the second proviso, for the words and figures "31st July, 1986", the words and figures "31st July, 1988" shall be substituted.

[F. No. 15(6)/86-D&R (I)]

K. M. SAHNI, Jt. Secy.

EXPLANATORY MEMORANDUM

The Ministry of Food and Civil Supplies, Department of Food, are required to consult all State Governments and also required to pre-publish the amendments to the Rice Milling Industry (Regulation and Licensing) Rules, 1959. In the first week of February, 1987, the State Governments were informed of the intention of the Central Government to further

extend the time limit. Formal consultations with the State Government's took considerable time and as such retrospective effect is being given to the amendments at 2(i) and 2(ii). It is certified that giving retrospective effect would not adversely affect the interest of any person.

Foot Note :—The Rice Milling Industry (Regulation and Licensing) Rules, 1959, were published under the Notification of the Government of India in the erstwhile Ministry of Food and Agriculture (Department of Food), No. G.S.R. 510, dated the 22nd April, 1959. These rules have been amended from time to time by notification Nos. :—

- (1) G.S.R. 1129 dated 12-10-1959.
- (2) G.S.R. 694 dated 16-6-1960.
- (3) G.S.R. 1028 dated 29-8-1960.
- (4) G.S.R. 93 dated 15-1-1962.

- (5) G.S.R. 1369 dated 6-8-1963.
- (6) G.S.R. 133 dated 18-1-1965.
- (7) G.S.R. 1143 dated 2-8-1965.
- (8) G.S.R. 85 dated 7-1-1966.
- (9) G.S.R. 259 dated 11-2-1966.
- (10) G.S.R. 553 dated 24-3-1970.
- (11) G.S.R. 105 dated 18-1-1971.
- (12) G.S.R. 490(E) dated 29-7-1976.
- (13) G.S.R. 284 dated 18-2-1977.
- (14) G.S.R. 408 dated 16-3-1978.
- (15) G.S.R. 80(E) dated 23-2-1979.
- (16) G.S.R. 752(E) dated 31-12-1980.
- (17) G.S.R. 180(E) dated 16-3-1981.
- (18) G.S.R. 490(E) dated 8-7-1982.
- (19) G.S.R. 635(E) dated 5-8-1985.
- (20) G.S.R. 1144 dated 14-12-1985.
- (21) G.S.R. 611(E) dated 8-4-1986.

